Roll No. : ..... Total Pages : 7

1381-P

First Year Arts Examination, 2018

HINDI LITERATURE

Paper–I

(काव्य)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

(खण्ड-अ) [Marks : 20]

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(खण्ड-ब) [Marks : 50]

प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(खण्ड-स) [Marks : 30]

कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(इकाई–I)

(i) अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध की भाषा की **दो** विशेषताएं लिखिए।

(ii) ''हे भरत भद्र, अब कहो अभीप्सित अपना।'' यह पंक्ति किसने किससे कही ?

(इकाई–II)

(iii) जयशंकर प्रसाद की तीन काव्यकृतियों का नामोल्लेख कीजिए।

(iv) 'पेशाला की प्रतिध्वनि' में 'पेशोला' क्या है ?

(इकाई–III)

(v) 'बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ' कविता का आशय लिखिए।

(vi) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की तीन काव्य रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए।

(इकाई–IV)

(vii) 'प्रतिशोध' (रामधारीसिंह दिनकर) का निहितार्थ लिखिए।

(viii) 'हम नदी के द्वीप हैं।' कवि का आशय स्पष्ट कीजिए।

(इकाई–V)

(ix) हिन्दी साहित्य के इतिहास विषयक तीन ग्रंथों के नाम लिखिए।

(x) 'प्रयोगवाद' का आशय स्पष्ट कीजिए।

खण्ड-ब

(इकाई–I)

2. 'प्रिय प्रवास' पर एक समालोचनात्मक टिप्पणी लिखिए।

3. 'चित्रकूट में राजसभा' कविता का सार अपने शब्दों में लिखिए।

4. निम्न पद्यांश की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

साँस चलती है किसकी
कहता है कौन ऊँची छाती कर, मैं हूँ –
– मैं हूँ मेवाड़ – मेवाड़ में।
अरावली शृंग-सा समुन्नत सिर किस का ?
बोलो कोई बोलो – अरे तुम सब क्या मृत हो ?

5. निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र।
हे स्रस्त ध्वस्त ! हे शुष्क शीर्ण।
हिम-ताप मधुवात भीत,
तुम वीतराग, जड़ पुराचीन !
निष्प्राण विगत युग ! मृत विहंग
जग नीड़ शब्द औ श्वासहीन,
च्युस्त, अस्त-व्यस्त पंखों से तुम
झर-झर अनंत में हो विलीन !

(इकाई–III)

6. महादेवी वर्मा की कविता में 'दु:ख' पर विचार कीजिए।

7. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की पठित कविताओं का सार अपने शब्दों में लिखिए।

(इकाई–IV)

8. निम्न पद्यांश की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

द्वीप हैं हम।
यह नहीं है शाप। यह अपनी नियति है।
हम नदी के पुत्र हैं। बैठे नदी के क्रीड़ में।
वह बृहद् भूखंड से हमको मिलाती है।
और वह भूखंड
अपना पितर है।

9. निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

खिली भू पर जब से तुम नारि,
कल्पना सी विधि की अम्लान,
रहे फिर तब से अनु-अनु देवि!
लुब्ध भिक्षुक से मेरे गान।

(इकाई–V)

10. हिन्दी साहित्य के इतिहास में काल विभाजन पर विचार कीजिए।

11. नयी कविता के किसी एक कवि के अवदान पर विचार कीजिए।

खण्ड–स

(इकाई–I)

12. हिन्दी कविता के विकास में जयशंकर प्रसाद के अवदान पर विचार कीजिए।

(इकाई–II)

13. गजानन माधव मुक्तिबोध की कविता पर एक समालोचनात्मक निबंध लिखिए।

(इकाई–III)

14. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला अपने समय से आगे के कवि हैं। समझाइए।

(इकाई–IV)

15. अज्ञेय की कविता के वैशिष्ट्य पर सोदाहरण विचार कीजिए।

(इकाई–V)

16. हिन्दी साहित्य के इतिहास के आधुनिक काल की कविता का मूल्यांकन कीजिए।